

अमरउजाला

PAGE NO 12 : MIDDLE RIGHT

इंजीनियरिंग के छात्र नए शिक्षा सत्र से बीटेक ऑनर्स की कर सकेंगे पढ़ाई

सीमा शर्मा

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग के छात्र अब अनरल डिग्री प्रोग्राम की तर्ज पर बीटेक ऑनर्स की पढ़ाई कर सकेंगे। नई शिक्षा नीति 2020 के तहत अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) आगामी सत्र से बीटेक ऑनर्स, माइनर डिग्री शुरू कर रहा है। इसमें अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन, साइबर सिक््योरिटी, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), सिस्टम इंजीनियरिंग, 3डी प्रिंटिंग, इलेक्ट्रिक व्हीकल, सेंसर टेक्नोलॉजी समेत कुल 39 कोर्स की पढ़ाई होगी। भौतिका समय में इन विशेषज्ञों की मांग को देखते हुए आईआईटी, एनआईटी और आईआईआईटी भी इन कोर्स को अपने बीटेक प्रोग्राम में शामिल कर रहे हैं। अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद के सभी कॉलेजों में आगामी सत्र से बीटेक ऑनर्स भी शुरू हो रहा है। इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक के साथ बीटेक ऑनर्स या माइनर डिग्री प्रोग्राम चलेगा। यदि कोई छात्र सामान्य इंजीनियरिंग कोर्स के साथ दो या उससे अधिक कोर्स लेता है तो ऑनर्स और एक कोर्स लेता है तो माइनर डिग्री मिलेगी। एआईसीटीई ने शैक्षणिक सत्र 2021-22 के तहत मान्यता व दाखिला नियमों में जो बदलाव किया है, उसमें यह भी शामिल है। अभी तक बीटेक में 251 एरिया में इंजीनियरिंग की पढ़ाई होती थी।

रोजगार के मौके बढ़ेंगे

कोई छात्र यदि इन कोर्स में बीटेक ऑनर्स डिग्री लेता है तो उसके लिए रोजगार से लेकर आगे साथ क्षेत्र में आस संचावनार होगी। दरअसल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार में इन एरिया के विशेषज्ञों की सबसे अधिक मांग है। इन कोर्स में पढ़ाई के चलते एआईसीटीई से मान्यता प्राप्त कॉलेजों के बीटेक छात्रों के लिए आईआईटी, एनआईटी और आईआईआईटी जैसे दिग्गज इंजीनियरिंग संस्थानों में मास्टर और पीएचडी के दरवाने खुल जाएंगे।

नई शिक्षा नीति : एआईसीटीई शैक्षणिक सत्र 2021-22 से शुरू करेगा नए 39 कोर्स

इन कोर्स में पढ़ाई का मौका

बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, इलेक्ट्रॉनिक इंजीनियरिंग के साथ अर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), ब्लॉकचेन, साइबर सिक््योरिटी, डेटा साइंस, इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी), वायुअल ऑफ एप्लिड रिजल्टी में ऑनर्स होगा। जबकि इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियरिंग और मैकेनिकल इंजीनियरिंग में सिस्टम इंजीनियरिंग होगा। इसके अलावा मैकेनिकल इंजीनियरिंग और सिविल इंजीनियरिंग में 3डी प्रिंटिंग होगा। मैकेनिकल इंजीनियरिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग में इलेक्ट्रिक व्हीकल, सेंसर टेक्नोलॉजी रहेगी। वहीं, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग में माइक्रोप्रिड टेक्नोलॉजी जोड़ा गया है। इसके अलावा सिविल इंजीनियरिंग में ड्रॉइंग्स एंड डिजाइन, इन्वॉल्यूटिव इंजीनियरिंग, अर्थक्वैक इंजीनियरिंग, वाइब्रेशन ट्रांसपोर्ट इंजीनियरिंग, लैन कंस्ट्रक्शन टेक्नोलॉजी शामिल है। थॉपेटेक्नोलॉजी इंजीनियरिंग में ऑनर्स प्रिंटिंग टेक् नोलॉजी, न्यूट्रिशियन टेक् नोलॉजी, ड्रग इंजीनियरिंग व सेल्चुलर एप्रिकलवरेल होगा। वहीं, कैमिकल इंजीनियरिंग में एक्आ फूड टेक्नोलॉजी की पढ़ाई जुड़ेगी।



'बीटेक डिग्री की पढ़ाई के साथ अन्य छात्रों के पास बीटेक ऑनर्स का विकल्प भी होगा। राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इन 39 कोर्स के विशेषज्ञों की मांग है। छात्र यदि कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग के साथ एआई लेता है तो उसके पास 20 अतिरिक्त क्रेडिट होंगे। ऐसे ही अन्य कोर्स में भी क्रेडिट का लाभ मिलेगा। - प्रोफेसर राजीव कुमार, सहाय्य सचिव, एआईसीटीई